

GOVERNMENT BILL

The Boilers Bill, 2024

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI PIYUSH GOYAL): Sir, I move:

That the Bill to provide for the regulation of boilers, safety of life and property of persons from the danger of explosions of steam-boilers and for uniformity in registration and inspection during manufacture, erection and use of boilers in the country and for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was proposed.

MR. CHAIRMAN: I now call upon the Members whose names have been received for participation in the discussion. Shri Neeraj Dangi. ..(*Interruptions*).. Shri Brij Lal.

श्री बृज लाल (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, आज इस उच्च सदन में 'The Boilers Bill, 2024' लाया गया है। जो पुराना एक्ट था, वह 101 वर्ष पहले 1923 में बना था और उसमें 2007 में संशोधन हुआ था, लेकिन जो नई परिस्थितियाँ आई...

OBSERVATIONS BY THE CHAIR

श्री सभापति: Hon. Members, time and again, I have invited your attention, I have invited your indulgence that we are being watched by the entire nation. And, our demeanour is causing a serious dilution of the institution, an institution meant for debate is not having it and, therefore, getting into irrelevance. The rule on a Statement is explicit. The hon. Minister, in detail, has taken the House in confidence. He could be as exhaustive as could be possible. Even on such an issue, the kind of indecorous behaviour I saw, the kind of body language reflected; when I say it every time, it does not earn me any accolades. But, I do it for whose sake? I do it only to restore, hon. Members, your dignity. I want you to kindly contribute and believe in some kind of rules. We have created this House, on occasions when people are

watching us, as something which should not have been. I have no doubt that the Statement of the hon. Minister must have been seen by the entire country. They would be surely taking note of how comprehensive, how exhaustive and how understandingly he has conveyed a point of view. I would request the Members, please interact amongst yourselves outside the House, evolve some kind of a consensus, that there are issues of security, issues of national importance, where we need to exhibit exemplary conduct. Shri Brij Lal, please continue.

GOVERNMENT BILL- *Contd.*

The Boilers Bill, 2024

श्री बृज लाल: सभापति महोदय, आपने मुझे बॉयलर्स एक्ट, 2024 पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

(उपसभापति महोदय पीठासीन हुए।)

महोदय, पहला बॉयलर एक्ट 1923 में, यानी 101 वर्ष पहले अंग्रेजों के जमाने में बना था। उसके बाद, वर्ष 2007 में उसमें अमेंडमेंट्स हुए। बॉयलर तमाम इंडस्ट्रीज में प्रयोग होता है। बॉयलर के कई किस्म होते हैं, जैसे- इलेक्ट्रिक बॉयलर, नैचुरल गैस बॉयलर, स्टीम, कंडेंसिंग, कॉम्बो, हॉट वॉटर एंड ऑयल। ये जो तमाम बॉयलर्स हैं, इनमें समय-समय पर जब ऑक्सीजन के संपर्क में, पानी के संपर्क में कोरोजन होता है, तो उनमें एक्सीडेंट्स भी होते हैं। जो पुराना अधिनियम था, उसमें डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, मंटेनेंस, इन तमाम चीजों की एडिक्वेट व्यवस्था नहीं थी, इसलिए हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी ने इसके जैसे तमाम पुराने कानूनों को बदलने का संकल्प लिया। आज 2,000 से अधिक कानून बदले जा चुके हैं, जो गुलामी के प्रतीक थे।

उपसभापति महोदय, क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को बदलने का सबसे बड़ा निर्णय लिया गया। पुराने आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस ऐक्ट में से आईपीसी को अंग्रेजों ने 164 वर्ष पहले बनाया था। अभी कल ही माननीय प्रधान मंत्री जी और हमारे गृह मंत्री, अमित शाह जी चंडीगढ़ में थे, जहां क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर लाइव प्रेजेंटेशन हुआ, जिसे उन्होंने देखा और चंडीगढ़ ऐसा पहला केंद्र शासित राज्य बना, जिसने इसके सभी प्रोविजंस को 100 परसेंट लागू किया है। महोदय, उसी क्रम में इस बॉयलर्स बिल को भी लाया गया है।